

on Harijans

छूट दीजिए जिस से अधिक तम्बाकू बहों के लोग पैदा कर सकें।

अन्त में मैं फिर कहूंगा कि छवि उत्पादन उढ़ाने के लिए हर सम्भव प्रयास किया जाय और किसान को उस की पैदावार की उचित कीमत दी जाय जिस से वह उत्पादन अधिक बढ़ाये।

16.17 hrs.

RE. ATROCITIES ON HARIJANS
IN GHAZIPUR DISTRICT OF
UTTAR PRADESH—contd.

श्री सरजू पांडे (गाजीपुर) : सभापति जी, मैंने सुबह सवाल उठाया था कि हरिजनों के 300 मकान जला दिए गये हैं। हमारे यहां। और दो आदमी जान से मार दिये गये ?। सारे आदमी सड़कों पर पड़े हुए हैं, उन की व्यवस्था नहीं है, पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। अध्यक्ष महोदय ने कहा था कि आज गृह मंत्री जी बयान देंगे। तो मैं जानना चाहता हूं कि गृह मंत्री जी आज बयान देंगे कि नहीं, क्योंकि मैं उसी की इनजार में हूं। कल मैं रहूंगा नहीं। आदमी सड़कों पर पड़े हुए हैं, कोई पूछने वाला नहीं है। इसलिए इस सम्बन्ध में जानकारी दें।

सभापति महोदय : मुझे अफसोस है कि, जैसा पांडे जी ने कहा, यह मसला सुबह भी उठा था और मिनिस्टर फ़ॉर पार्लियामेंटरी अफेयर्स इस बात वक्त मौजूद नहीं हैं, उम्मीद करता हूं कि जैसे ही वह आयेगे, उनको इनफार्म किया जायगा और मेरी दखिस्त उन तक यह पहुंचाई जायेगी कि इस के बारे में वह अभी बतायें।

श्री सरजू पांडे : संसद कार्य मंत्री आ गये हैं। मैं पुनः अपनी बात कह देता हूं।

हमारे यहां 300 हरिजनों के घर जला दिये गये हैं, दो आदमी जान से मार दिये गये हैं। सारे आदमी सड़कों पर पड़े हुए

हैं, उनकी कोई व्यवस्था नहीं है, पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। इस सिलसिले में गृह मंत्रालय से बयान देने के लिए अध्यक्ष महोदय ने मुझे सुबह आश्वासन दिया था। तो क्या आप बयान दिलायेंगे ? क्योंकि मुझे आज ही जाना है, कल मैं रहूंगा नहीं। इसलिए गृह मंत्री महोदय उसके सम्बन्ध में कुछ आ कर कहें।

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU RAMAIAH): Since the hon. Member says certain facts and has requested the Speaker, since the hon. Member says that the Speaker has said that a statement will be made and since I have heard it now, I shall get in touch with the Home Minister and convey it to him.

SHRI RAMAVATAR SHASTRI (Patna): The statement should come before 6 p. m.

FINANCE BILL, 1975—Contd.

SHRI K. SURYANARAYANA (Eluru): While congratulating the Minister for the little relief he has given to the Khandsari industry, I want to suggest with regard to agricultural development, particularly, as it is the basic thing for our development in the country.

For several years we are asking here for land reforms. Land reform is the only thing for development of agriculture and in spite of the Government's accepting and passing the land reforms, they have not yet been properly implemented. They are not trying to implement them seriously.

There is a dilemma in the agricultural community now as to what extent the agricultural property, the agricultural income will be retained with them. For the last two to three years in several States the agricultural industry is also affected on account of this, same thing about the rural sector.